PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

or Buddhist Studies

में संचालित भोटी पाठ्यक्रम

भोटी भाषा के एक वर्षीय प्रमाण पत्रीय एवं एक वर्षीय डिप्लोमा तथा उच्चतर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के विषयों के नाम

क. भोटी प्रमाण पत्र

प्रथम पत्रः भोटी भाषा

द्वितीय पत्र : भोटी व्याकरण

तृतीय पत्र : मौखिकी

ख. भोटी डिप्लोमा

प्रथम पत्रः भोटी भाषा

द्वितीय पत्र : भोटी व्याकरण

तृतीय पत्र : मौखिकी

ग. भोटी उच्चतर डिप्लोमा

प्रथम पत्रः भोटी साहित्य

द्वितीय पत्र : भोटी व्याकरण

तृतीय पत्र : तिब्बत में बौद्ध धर्म का इतिहास

चतुर्थ पत्र : मौखिकी

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

क वर्षीय प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम

(One Year Certificate Course in Bhoti Language)

प्रथम पत्र – भोटी भाषा – 80 अंक

1. कहानी – 50 अंक

नोटः– ज्पइमजंद त्मंकमत प्प ;व्सकद्ध में आयी कहानियों में से परीक्षार्थी को कोई एक कहानी भोटी भाषा में ही लिखने के लिए कहा जाएगा।

2. संरचना – 30 अंक

प. पाठ्य पुस्तक के किसी गद्यांश का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद – 5 अंक

पप. सरल अपठित हिन्दी या अंग्रेजी के अंशों का भोटी में अनुवाद – 5 अंक

पपप. सरल भोटी शब्दों का भोटी वाक्य में प्रयोग – 20 अंक

(नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. Tibetan Reader III (Old) published by Tibetan Cultural Printing Press, Dharamshala (H.P). 1978
2. Modern Tibetan Language Vol. I & II by Lobzang Thonden, published by Library of Tibetan works & Archives, Dharamshala (H.P).
3. Text book of Colloquial Tibetan Language by G.N. Roerich.
4. भोट शिक्षक, लोकेश चन्द्र, सरस्वती विहार, नई दिल्ली–1962

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

1. ङोन जुग (पूर्वाक्षर) – 10 अंक
2. जेस–जुग (पराक्षर) – 20 अंक
3. यङ जुग (परात्पराक्षर) – 10 अंक
4. मिङ (संज्ञा) और मिङ छ़्व (सर्वनाम) – 10 अंक
5. ख्यद छोस (विशेषण) – 10 अंक
6. तग्स (लिङ) – 5 अंक
7. ङङस (वचन) – 5 अंक
8. लदोन (ल प्रत्याहार) – 10 अंक

(नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. संभोट व्याकरण, के0 अंगरूप लाहुली, केन्द्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी–7।
2. तिब्बती पाठमाला, टुल्कु दोनडुब, केन्द्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी–7।

तृतीय पत्र – मौखिकी – 100 अंक

अंकों का विभाजन :–

1. पाठ्य पुस्तक का पाठ – 30 अंक
2. वार्तालाप – 30 अंक
3. श्रुत लेख – 30 अंक
4. क्लास नोट्स – 10 अंक

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

ें एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(One Year Diploma Course in Bhoti Language)

प्रथम पत्र – भोटी भाषा – 80 अंक

1. कहानी लेखन – 50 अंक

नोटः– Tibetan Reader IV (Old) में आयी कहानियों में से ही परीक्षार्थी को कोई एक कहानी भोटी भाषा में ही लिखने के लिए कहा जाएगा।

2. संरचना – 30

i- पाठ्य पुस्तक के किसी गद्यांश का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद – 5 अंक

ii- सरल अपठित हिन्दी या अंग्रेजी के अंशों का भोटी में अनुवाद – 5 अंक

iii. सरल भोटी शब्दों का भोटी वाक्य में प्रयोग – 20 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. Tibetan Reader IV (Old) published by Tibetan Cultural Printing Press, Dharamshala (H.P). 1978
2. Modern Tibetan Language Vol. I & II by Lobzang Thonden, published by Library of Tibetan works & Archives, Dharamshala (H.P).
3. Text book of Colloquial Tibetan Language by G.N. Roerich.

द्वितीय पत्र – भोटी व्याकरण – 80 अंक

1. जेद – चन (कारक) : – 50 अंक

i. लस – सु – जावा (कर्म कारक)

ii- जेद – पा – पो (करण कारक)

iii- गोस छेद (सम्प्रदान कारक)

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

v- डेल – डा (सम्बन्ध कारक)

vi- नस – जि (अधिकरण कारक)

2. दे – ि◌द (तत्त्व वाचक) तथा छे – कब्स (अवधि वाचक) – 10 अंक

3. ज़ोग्स छिग्स (समाप्ति सूचक) – 5 अंक

4. लर – चस (सशेषक प्रत्यय) – 5 अंक

5. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर भोट भाषा में निबन्ध लेखन – 10 अंक

क. ङइ युल, ख. लोब–डा, ग. ङइ जिमी,

घ. ब–छुग्स, ङ. गेगन, च. ङइ डोग्स–पो,

छ. बोद–युल, ज. बोद स्कद, झ. ग्यागर,

ञ. सङग्यस

(नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. संभोट व्याकरण, के0 अंगरूप लाहुली, केन्द्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी–7।
2. तिब्बती पाठमाला, टुल्कु दोनडुब, केन्द्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी–7।
3. प्दजतवकनबजपवद वि। ळतंउउंत इल ळण्छण् त्वमतपबीण

तृतीय पत्र – मौखिकी – 100 अंक

अंकों का विभाजन :–

1. पाठ्य पुस्तक का पाठ – 30 अंक

2. वार्तालाप – 30 अंक

3. श्रुत लेख – 30 अंक

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

– 10 अंक

भोटी भाषा में एक वर्षीय उच्चतर डिप्लोमा

(One Year Advanced Diploma in Bhoti Language)

प्रथम पत्र – भोटी साहित्य (**Bhoti Litrature**) – 80 अंक

पाठ्य विषय तथा अंक विभाजन :

1. शे–रब–ञिङ् –पो – 20 अंक

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

– 20 अंक

3. धम्मपद (यमक वग्ग मात्र) – 20 अंक

4. जङछुव लमडोन (प्रथम 20 श्लोक मात्र) – 20 अंक

नोट :– उपरोक्त पाठ्य पुस्तकों से कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इनमें अनुवाद, व्याख्या और लेखक के व्यक्तित्त्व और कृतित्व से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं।

सन्दर्भ/पाठ्य ग्रन्थ :

1- The Heart of the Perfection of Wisdom Sutra, Translated by Lama Jodpa Rinpochhe, Amitabh pure land, Washington, U.S.A.

2- Geshe Rabten, Echoes of Voidness translated by Stephen Batchelor, Wisdom Publication, London, 1983.

3. Jonathan A. Silck, The Heart Sutra in Tibetan : A Critical Edition of two Recessions Retained in the Kangyur.

4. शे–रब–ञिङ् –पो (प्रज्ञापारमिता हृदय सूत्र)

5. प्रो0 सेम्पा दोर्जे, ग्यल Òस लग–लेन–थोग्समेद, छोस खोर लिङ बौद्ध सेवा संघ, किन्नौर, हि0 प्र0।

6. छिमेद, रिगज़िन लामा, धम्मपद, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

7. डॉ0 भिक्षु धर्मरक्षित, धम्मपद, मोतीलाल बनारसी दास, जवाहर नगर, दिल्ली – 7।

8- Dhammapada-[Translated by DAW MYA TIN] Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-7, 1990.

9. डॉ0 वङछुग दोर्जे नेगी, दी कार्पोरेट बॉडी ऑफ द बुद्धा एज्यूकेशनल फाउंडेशन, ताइपे, ताइवान, 2003.

10. प्रो0 संघसेन सिंह, धम्मपद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

11. के0 अंगरूप लाहुली, जङछुब लमडोन (बोधिपथ प्रदीप), केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह, लद्दाख।

द्वितीय पत्र – भोटी व्याकरण (ठीवजप ळतंउउंत) – 80 अंक

पाठ्य विषय :–

1. भोटी व्याकरण का परिचय – 10 अंक
2. भोटी व्याकरण के मूल तत्त्व – 30 अंक :
   - i. ङोन जुग (पूर्वाक्षर)
   - ii. जेस जुग (पराक्षर)

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

iv. ल–दान (ल प्रत्याहार)

3. भोटी भाषा का कारक प्रकरण – 30 अंक :

i. लस–सु–जावा (कर्म कारक)

ii. जेद–पा–पो (करण कारक)

iii. गोस–छेद (सम्प्रदान कारक)

iv. जुङ खुङस (अपादान कारक)

v. डेल–डा (सम्बन्ध कारक)

vi. नस–जि (अधिकरण कारक)

4. भोटी निबन्ध लेखन – 10 अंक

नोटः– प्रश्न पत्र में निबन्ध निम्न प्रकार के पूछे जाएंगे –

1. बोद–स्कद, 2. बोद–युल, 3. सङग्यस, 4. ग्यागर।

(नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं)

सन्दर्भ/पाठ्य ग्रन्थ :–

1. के0 अंगरूप लाहुली, सम्भोट व्याकरण, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, 1996।
2. के0 अंगरूप लाहुली, आचार्य थोन–मी सम्भोट का जीवन–चरित, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, 2000
3. टुल्कु दोनडुब, तिब्बती पाठमाला, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, 1997।
4. चोमा कोरोसी, ग्रामर ऑफ तिब्बेटन लैंगुएज, बुद्धापेस्ट, हंगरी।

तृतीय पत्र – तिब्बत में बौद्ध धर्म का इतिहास (भ्पेजवतल वि ठनककीपेउ पद ज्पइमज) – 80 अंक

पाठ्य विषय एवं अंक विभाजन :

1. भोट देश का परिचय : – 20 अंक

i- भोट देश का नामकरण।

ii- भोट देश का भूगोल एवं मानव उत्पाद की मान्यता।

iii- यरलुङ राजवंश का उद्भव।

iv- बोन धर्म का सामान्य परिचय।

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

ा : – 20 अंक

i- भोट देश का बौद्ध धर्म से प्रारम्भिक परिचय।

ii- सम्राट Òोङ्च़न गम्पो का भोट देश में बौद्ध धर्म एवं समाज की स्थापना।

iii- भोटी लिपि एवं भोट साहित्य का विकास।

iv- धर्मराज ठि–Òोङ् –देच़न तथा ठि–रल–पा–चन का भोट देश एवं भोटी साहित्य के लिए योगदान।

3. भोट देश में बौद्ध धर्म एवं संस्कृति का पुनरुत्थान : – 20 अंक

i- भोट देश में बौद्ध धर्म का Ðास एवं पुनर्जागरण।
(लङ–दरमा से लेकर अतिशा के आगमन तक)

ii- पश्चिमोत्तर हिमालय (ङरि–कोर–सुम) में बौद्ध धर्म का प्रचार–प्रसार।

iii- बौद्ध साहित्य संकलन का प्रादुर्भाव।

iv- भारतीय आचार्यों का भोट देश में बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रसार में भूमिका।

4. भोट देश में विकसित बौद्ध सम्प्रदाय : – 20 अंक

i- ञिङ – मा सम्प्रदाय।

ii- साक्या सम्प्रदाय।

iii- काग्युद सम्प्रदाय।

iv- गे–लुग सम्प्रदाय।

(नोटः– प्रश्न पत्र निर्माता से अनुरोध है कि प्रश्न पत्र वैकल्पिक और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही बनाएं)

सन्दर्भ / पाठ्य ग्रन्थ :–

1. राहुल सांकृत्यायन, तिब्बत में बौद्ध धर्म, किताब महल, 22–ए, सरोजनी नायडु मार्ग, इलाहाबाद।

2- Hoffmann, Helmut, The religion of Tibet, George Allen & Unwin Ltd. Museum Street, London, 1961

3. Roerich, George N., The Blue Annals, 2 vols, Calcutta, 1953.

4. The Life and Librations of Padma Sambhava, Dharma Publishing, 2425, Hill Side, Avenue, Berkeley, USA, 1978.

5. Tucci, Giuseppe, Rin-Chen-Bzan-Po. (Indo-Tibetica-II), Aditya Prakashan, New Delhi, 1988.

6. देव–थेर–मर–पो, मि–रिग–पे टुन खङ,

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

PDF Complete

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

...तिहास, अनुवादक लामा रिगज़िन लुन–डुब, काशी प्रसाद जायसवाल, शोध संस्थान, पटना, 1971.

8. Shakabpa, Tsepon W.D., A Political History of Tibet, New Haven and London, Yale University Press, 1967.
9. Buston Tr. E Obermiller, History of Buddhism in India and Tibet, Satguru Publication, Delhi, 1986.
10. S.C. Das, Indian Pandits in the Land of snow, Firma K.L.M., Calcutta, 1965.

12- Alka Chattopadhyaya, Atisa and Tibet, Motilal Banarsidas, Delhi, 1981.

13- Dudjom Rinpochhe, Ningma School of Tibetan Buddhism, translated and edited by Gyurmed Dorje & Mathew Capstien, Wisdom Publication, Boston, 1991.

14- R.A. Stein, Tibetan Civilization, Stan Ford, California, 1972.

चतुर्थ पत्र – मौखिकी – 100 अंक

अंकों का विभाजन :–

1. पाठ्य पुस्तक का पाठ	– 30 अंक
2. वार्तालाप	– 30 अंक
3. श्रुत लेख	– 30 अंक
4. क्लास नोट्स	– 10 अंक